चतुर्थ–अध्याय

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या

चतुर्थ अध्याय

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या

4.1 प्रस्तावना –

शोधकर्ता का मुख्य ध्येय समस्या के सम्बन्ध में महत्वपूर्ण निष्कर्ष निकालना होता है। ताकि महत्वपूर्ण निष्कर्षों के लिये प्रदत्तों का विश्लेषण करना आवश्यक होता है। किसी भी निष्कर्ष पर पहुँचने के लिये आँकड़ों को एकत्रित करना होता है। जिससे अवलोकनकर्ता एक ही दृष्टि में सारणी को देखकर शोधकार्य के निष्कर्ष के बारे में अवगत हो जाता है।

प्रस्तुत शोधकार्य में प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या की जा सकें एवं चयनित उपकरणों के माध्यम से अध्ययन हेतु चुने गये न्यादर्श द्वारा प्रदत्तों का संकलन किया गया। तत्पश्चात् प्राप्त प्रदत्तों का विश्लेषण तथा व्याख्या इस अध्याय में की गयी सभी परिकल्पनाओं का परीक्षण उपयुक्त सांख्यिकी विधियों का उपयोग करके किया गया। प्रत्येक परिकल्पना का अध्ययन भी कुल 3 परिकल्पनाओं तथा 15 उप परिकल्पनाओं के आधार पर विश्लेषण किया गया है।

जे.एच.पाईनर के अनुसार– "एक मकान का निर्माण पत्थरों से होता है। किन्तु पत्थरों के ढ़ेर से नहीं वरन् जटिल पत्थरों को सुव्यवस्थित रूप से होता है। वैज्ञानिक तथ्य का निर्माण भी तथ्यों के संकलन उपरान्त उचित विश्लेषण तथा व्याख्या द्वारा होता है।

पी.व्ही.युंग के अनुसार– "संकलित तथ्यों के उचित संस्थिति सम्बन्धों के रूप में व्यवस्थित कर विचार पूर्ण आधारित शिला की स्थापना करना ही विश्लेषण है। अर्थात विश्लेषण शोध का सृजनात्मक पक्ष हैं।

4.2 प्रदत्तों का विश्लेषण एवं परिणामों का प्रस्तुतीकरण–

प्रस्तुत शोध में विभिन्न पृष्ठभूमि के उच्च प्राथमिक स्तर के शिक्षकों के शैक्षिक मूल्यों का तुलनात्मक अध्ययन का विश्लेषण उद्देश्य एवं परिकल्पनाओं के आधार पर किया गया है।

Ho परिकल्पना क्रमांक–1

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में शिक्षा प्राप्त शिक्षकों के शैक्षिक मूल्यों में कोई सार्थक अंतर नहीं होगा।

तालिका क्र. 4.1

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में शिक्षा प्राप्त शिक्षकों के शैक्षिक मूल्यों के मध्यमानों की तुलना।

परिवेश	संख्या (N)	मध्यमान Mean	प्रमाणिक विचलन (sd.)	मुक्तांश (df)	'टी'
शहरी	30	124.70	13.342	58	** 0.630
ग्रामीण	30	122.80	9.718		

** टी का मान 0.05 लेवल ऑफ कॉन्फीडेंस पर सार्थक नहीं पाया गया।

तालिका क्र. 4.1 में प्रस्तुत आँकड़ों से स्पष्ट होता है।

प्रारम्भिक शिक्षा प्राप्त करने वाले ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के शिक्षकों के शैक्षिक मूल्यों की तुलना करने के लिय t का मान 0.630, है। df 58 के 0.05 स्तर पर t का मान 2.00 है। अतः शिक्षकों की प्रारंभिक शिक्षा से शैक्षिक मूल्यों में कोई सार्थक अंतर नहीं है। इसलिये परिकल्पना स्वीकृत की जाती है। इस प्रकार प्रारम्भिक शिक्षा प्राप्त करने का क्षेत्र ग्रामीण/शहरी के आधार पर शिक्षकों के शैक्षिक मूल्यों में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

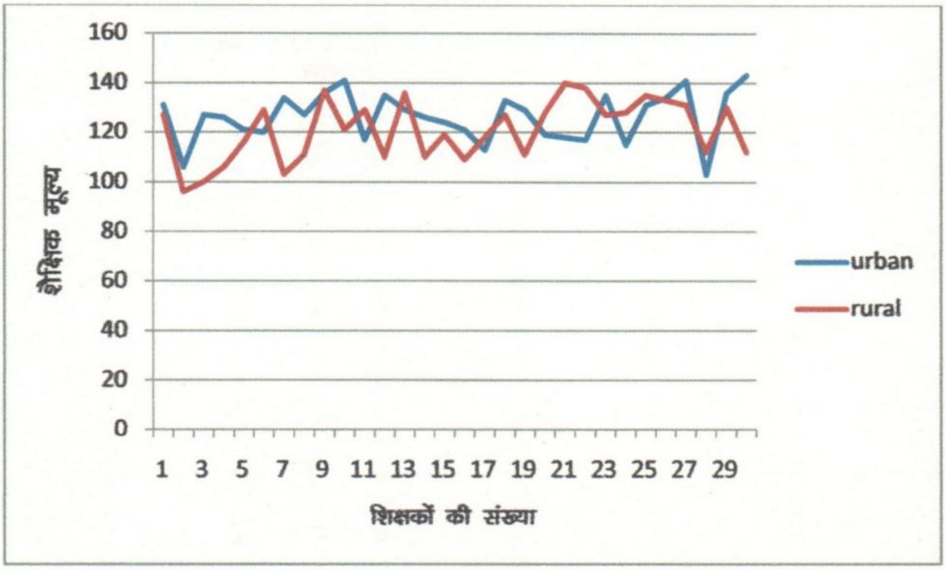

ग्राफ क. 4.1

ग्राफ क.4.1में क्षेत्र (ग्रामीण एवं शहरी) के आधार पर शिक्षकों की संख्या एवं उनके शैक्षिक मूल्यों को दर्शाया गया है।

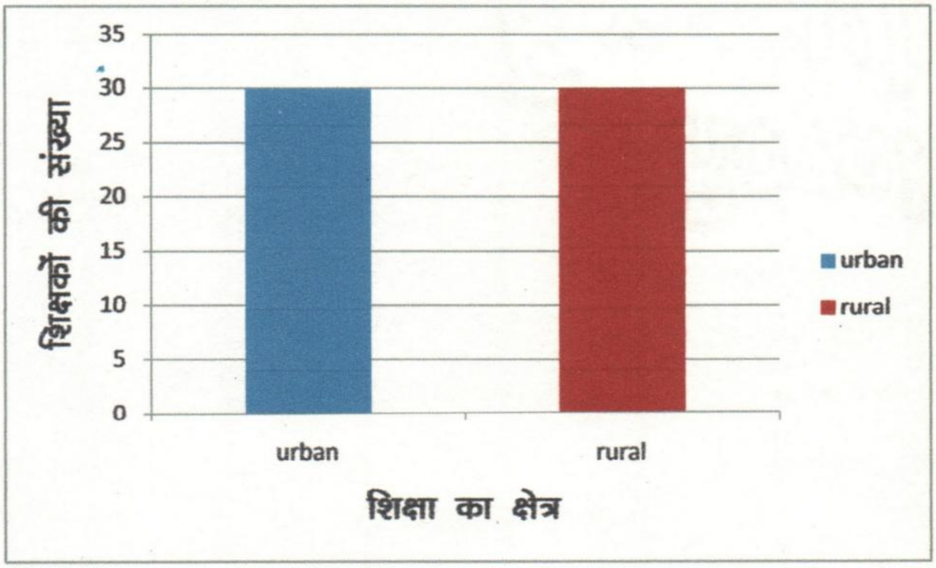

ग्राफ क. 4.2

ग्राफ क.4.2 में शिक्षकों की प्रारंभिक शिक्षा का क्षेत्र तथा शिक्षकों की संख्या को दर्शाया गया है।

Ho परिकल्पना क्रमांक–2

शैक्षिक प्रशिक्षण सहित एवं शैक्षिक प्रशिक्षण रहित योग्यता के आधार पर शिक्षकों के मूल्यों में कोई सार्थक अंतर नहीं होगा।

तालिका क्र.–4.2

शैक्षिक प्रशिक्षण सहित एवं शैक्षिक प्रशिक्षण रहित योग्यता वाले शिक्षकों के शैक्षिक मूल्यों के मध्यमानों की तुलना ।

शिक्षकों की शैक्षिक योग्यता	संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	मुक्तांश df	टी मान
शैक्षिक प्रशिक्षण सहित	39	1246.66	5.4	58	* 6.37
शैक्षिक प्रशिक्षण रहित	21	1110.0	3.9		

* टी का मान 0.05 लेवल ऑफ कॉन्फीडेंस पर सार्थक पाया गया।

तालिका क. 4.2 में प्रस्तुत आँकड़ों से स्पष्ट होता है कि 'टी' का मान 6.37 है। अतः df 58 पर देखने से 'टी' का मान 0.05 स्तर पर 2.00 है। जो वास्तविक 'टी' के मान से कम है। जो सार्थक है। अतः परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है।

इस प्रकार शैक्षिक प्रशिक्षण सहित एवं शैक्षिक प्रशिक्षण रहित योग्यता वाले शिक्षकों के शैक्षिक मूल्यों में अंतर देखने को मिला है।

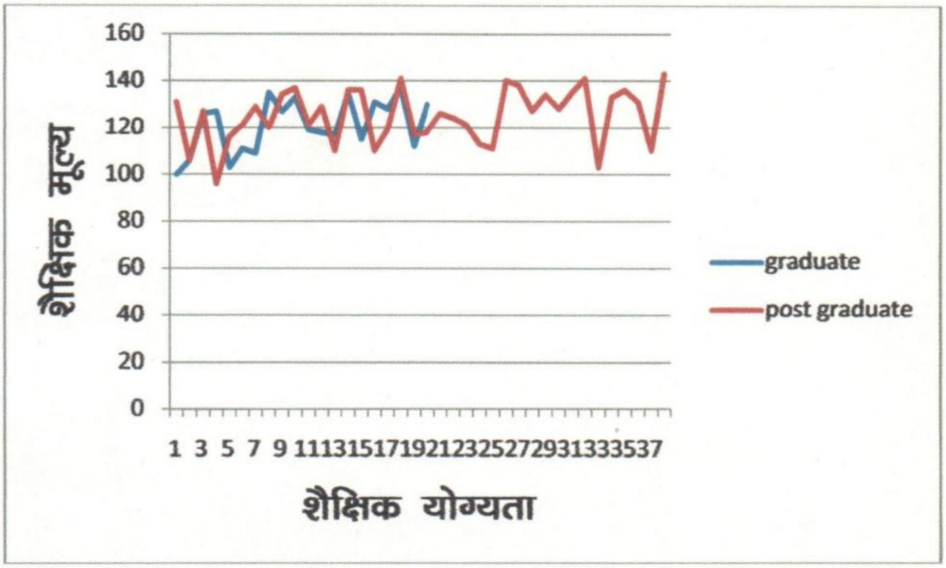

ग्राफ क. 4.3

ग्राफ क. 4.3 में शिक्षकों की शैक्षिक योग्यता तथा शिक्षकों के शैक्षिक मूल्यों को दर्शाया गया है।

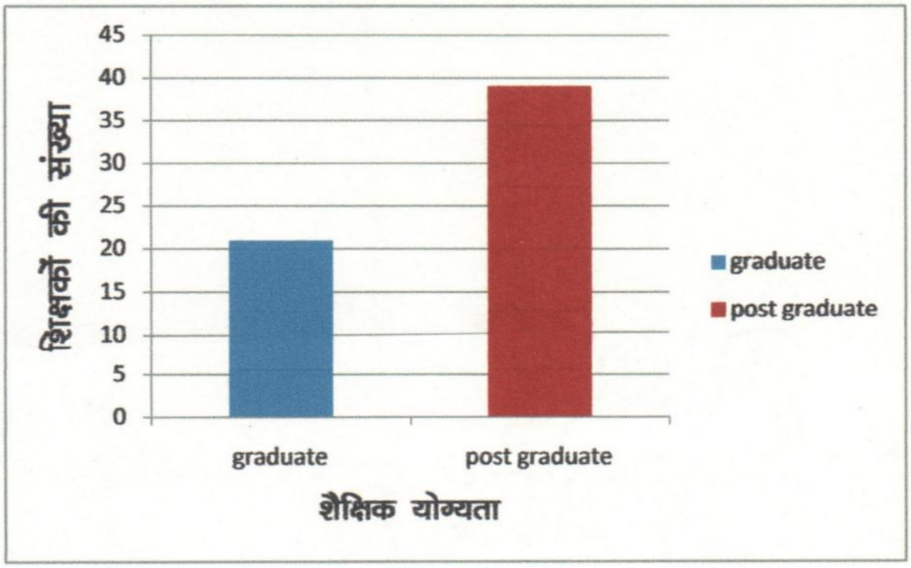

ग्राफ क. 4.4

ग्राफ क. 4.4 में शिक्षकों की शैक्षिक योग्यता तथा शिक्षकों की संख्या को दर्शाया गया है।

Ho परिकल्पना क्रमांक–3

पाँच वर्ष व उससे अधिक शिक्षण अनुभव वाले शिक्षकों की शैक्षिक मूल्यों में कोई सार्थक अंतर नहीं होगा।

तालिका क्र.–4.3

पाँच वर्ष व उससे अधिक अनुभव के आधार पर शिक्षकों के शैक्षिक मूल्यों के मध्यमानों की तुलना।

शैक्षिक अनुभव	संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	मुक्तांश df	t. मूल्य
5 वर्ष से अधिक	35	123.942	12.678	58	** 0.242
5 वर्ष	25	123.200	8.641		

** टी का मान 0.05 लेवल ऑफ कॉन्फीडेंस पर सार्थक नहीं पाया गया।

तालिका क्र. 4.2 में प्रस्तुत आँकड़ों से स्पष्ट होता है कि टी का मान 0.242 है जो 0.05 स्तर तथा df 58 के साथ सार्थक नहीं है। शिक्षकों का अध्यापन अनुभव 5 वर्ष के आधार पर 5 वर्ष पर t का मान = 0.242

df 58 पर 0.05 स्तर पर t का मान 2.00 है। जो 0.05 स्तर के टी. मूल्य से अधिक है इसलिए परिकल्पना स्वीकृत की जाती हैं।

इससे स्पष्ट है कि शिक्षकों का अध्यापन अनुभव के आधार पर शैक्षिक मूल्यों में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

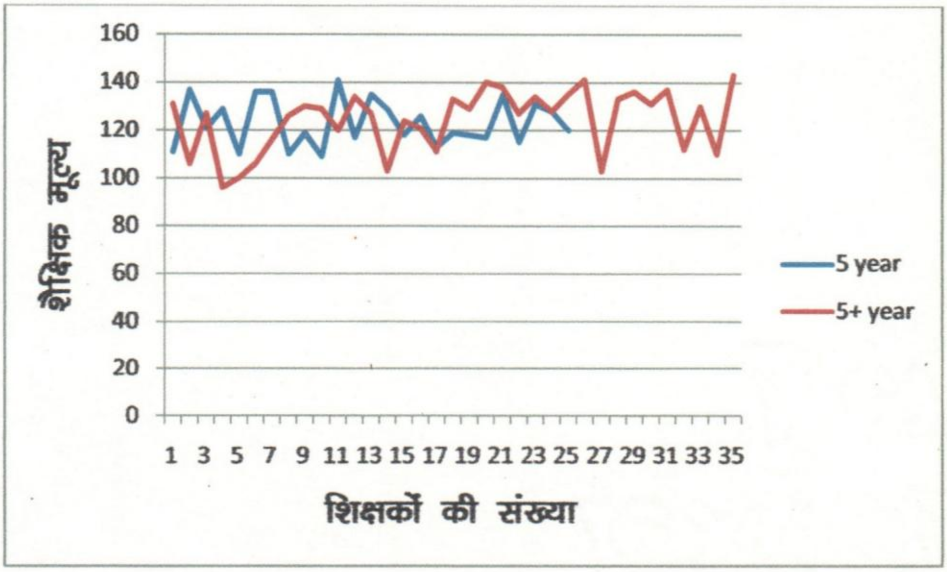

ग्राफ क. 4.5

ग्राफ क. 4.5 में अनुभव के आधार पर शिक्षकों की संख्या तथा उनके शैक्षिक मूल्यों को दर्शाया गया है।

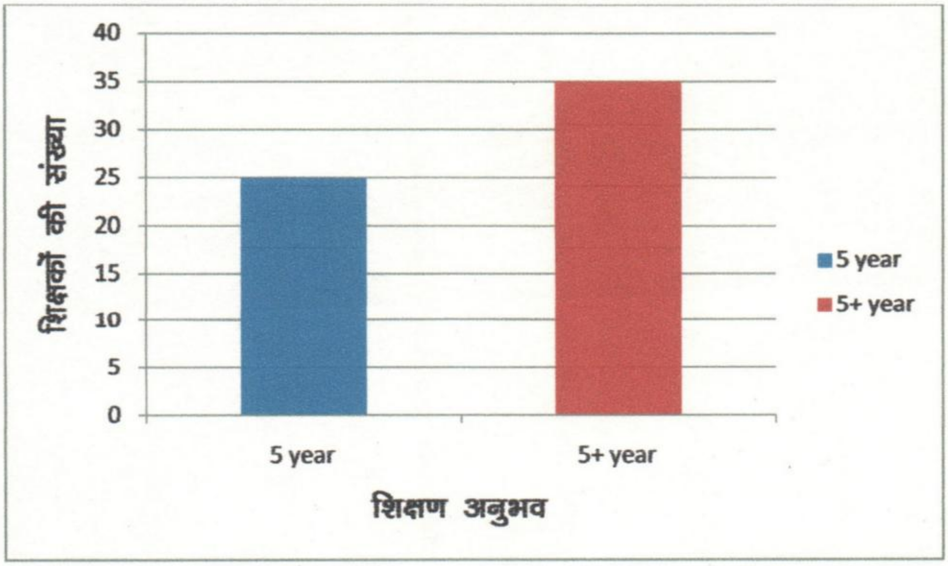

ग्राफ क. 4.6

ग्राफ क. 4.6 में शिक्षकों की संख्या तथा शैक्षिक अनुभव को दर्शाया गया है।

Ho 1.1 उपपरिकल्पना–

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में शिक्षित शिक्षकों की शैक्षिक प्रतिबद्धता में कोई सार्थक अंतर नहीं होगा।

तालिका कमांक–4.4

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में शिक्षित शिक्षकों की शैक्षिक प्रतिबद्धता के मध्यमानों की तुलना।

प्रारंभिक शिक्षा का क्षेत्र	संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	मुक्तांश df	टी मान
ग्रामीण	30	23.566	1.950	58	** 0.562
शहरी	30	23.166	2.793		

** टी का मान 0.05 लेवल ऑफ कॉन्फीडेंस पर सार्थक नहीं पाया गया।

तालिका क्र. 4.4 में प्रस्तुत आँकड़ों से स्पष्ट होता है ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में शिक्षित शिक्षकों की शैक्षिक प्रतिबद्धता की तुलना करने के लिये 'टी' का मान 0.562 है। जो df 58 पर 0.05 स्तर पर टी का मान 2.00 है। जो वास्तविक टी के मान से अधिक है। अतः परिकल्पना स्वीकृत की जाती है। इससे स्पष्ट होता है की उनके बीच कोई सार्थक अंतर नहीं है। शिक्षा के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जाता।

Ho 1.2 उपपरिकल्पना–

शैक्षिक प्रशिक्षण सहित एवं शैक्षिक प्रशिक्षण रहित योग्यता वाले शिक्षकों की शैक्षिक प्रतिबद्धता में कोई सार्थक अंतर नहीं होगा।

तालिका कमांक–4.5

शैक्षिक प्रशिक्षण सहित एवं शैक्षिक प्रशिक्षण रहित योग्यता वाले शिक्षकों की शैक्षिक प्रतिबद्धता के मध्यमानों की तुलना।

शैक्षिक योग्यता	संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	मुक्तांश df	टी मान
शैक्षिक प्रशिक्षण सहित	41	23.850	2.740	58	* 2.081
शैक्षिक प्रशिक्षण रहित	19	22.310	2.318		

* टी का मान 0.05 लेवल ऑफ कॉन्फीडेंस पर सार्थक पाया गया।

तालिका क. 4.5 में प्रस्तुत आँकड़ों से स्पष्ट होता है। शैक्षिक प्रशिक्षण सहित एवं शैक्षिक प्रशिक्षण रहित योग्यता वाले शिक्षकों की तुलना के लिये टी का मान 2.081 है जो df 58 पर 0.05 स्तर पर टी का मान 2.00 है। जो वास्तविक टी के मान से कम है। अतः परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है। इससे स्पष्ट होता है की उनके बीच कोई सार्थक अंतर है। शैक्षिक प्रशिक्षण सहित एवं शैक्षिक प्रशिक्षण रहित योग्यता में सार्थक अंतर पाया जाता।

Ho 1.3 उपपरिकल्पना–

पाँच वर्ष व पाँच वर्ष से अधिक शिक्षण अनुभव वाले शिक्षकों के शैक्षिक प्रतिबद्धता में कोई सार्थक अंतर नहीं होगा।

तालिका क्रमांक–4.6

पाँच वर्ष व पाँच वर्ष से अधिक शिक्षण अनुभव वाले शिक्षकों के शैक्षिक प्रतिबद्धता के मध्यमानों की तुलना।

शैक्षिक योग्यता	संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	मुक्तांश df	टी मान
5 वर्ष से अधिक	35	23.714	2.783	58	** 1.056
5 वर्ष	25	22.881	3.204		

* *टी का मान 0.05 लेवल ऑफ कॉन्फीडेंस पर सार्थक नहीं पाया गया।

तालिका क्र. 4.6 में प्रस्तुत आँकड़ों से स्पष्ट होता है।

पाँच वर्ष व पांच वर्ष से अधिक शैक्षिक अनुभव की तुलना के लिये टी का मान 1.056 है। जो df 58 पर 0.05 स्तर पर टी का मान 2.00 है। जो वास्तविक टी के मान से अधिक है। अतः शैक्षिक अनुभव के आधार पर शिक्षकों में कोई सार्थक अंतर नहीं है। अतः परिकल्पना स्वीकृत की जाती है। इससे स्पष्ट होता है कि शिक्षकों में शैक्षिक अनुभव का कोई प्रभाव नहीं पड़ता।

Ho 1.4 उपपरिकल्पना–

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में शिक्षित शिक्षकों की शिक्षण क्षमता में कोई सार्थक अंतर नहीं होगा।

तालिका क्रमांक–4.7

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में शिक्षित शिक्षकों की शिक्षण क्षमता के मध्यमानों की तुलना।

प्रारंभिक शिक्षा का क्षेत्र	संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	मुक्तांश df	टी मान	सार्थकता
ग्रामीण	30	25.133	3.981	58	0.481	**
शहरी	30	24.666	3.379			

* *टी का मान 0.05 लेवल ऑफ कॉन्फीडेंस पर सार्थक नहीं पाया गया।

तालिका क्र. 4.7 में प्रस्तुत आँकड़ों से स्पष्ट होता है।

प्रारंभिक शिक्षा ग्रामीण एवं शहरी में शिक्षित शिक्षकों की शिक्षण क्षमता के आधार पर तुलना के लिये टी का मान 0.481 है। जो df 58 पर 0.05 स्तर पर टी का मान 2.00 है। जो वास्तविक टी के मान से अधिक है। अतः ग्रामीण एवं शहरी के आधार पर शिक्षकों की शिक्षण क्षमता में कोई सार्थक अंतर नहीं है। अतः परिकल्पना स्वीकृत की जाती है। इससे स्पष्ट होता है कि शिक्षकों में क्षेत्र का कोई प्रभाव नहीं पड़ता।

Ho 1.5 उपपरिकल्पना–

शैक्षिक प्रशिक्षण सहित एवं शैक्षिक प्रशिक्षण रहित शैक्षिक योग्यता वाले शिक्षकों की शिक्षण क्षमता में कोई सार्थक अंतर नहीं होगा।

तालिका क्रमांक–4.8

शैक्षिक प्रशिक्षण सहित एवं शैक्षिक प्रशिक्षण रहित शैक्षिक योग्यता वाले शिक्षकों की शिक्षण क्षमता के मध्यमानों की तुलना।

शैक्षिक योग्यता	संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	मुक्तांश df	टी मान
शैक्षिक प्रशिक्षण सहित	41	25.700	3.155	58	** 0.711
शैक्षिक प्रशिक्षण रहित	19	25.000	4.052		

* *टी का मान 0.05 लेवल ऑफ कॉन्फीडेंस पर सार्थक नहीं पाया गया।

तालिका क. 4.8 में प्रस्तुत आँकड़ों से स्पष्ट होता है।

शैक्षिक प्रशिक्षण सहित एवं शैक्षिक प्रशिक्षण रहित योग्यता के आधार पर उनकी शिक्षण क्षमता की तुलना करने के लिये टी का मान 0.711 है। जो df 58 पर 0.05 स्तर पर टी का मान 2.00 है। जो वास्तविक टी के मान से अधिक है। अतः परिकल्पना स्वीकृत की जाती है। शिक्षकों में शैक्षिक योग्यता के आधार पर शिक्षण क्षमता में कोई सार्थक अंतर नहीं है। इससे स्पष्ट होता है कि शिक्षकों में शैक्षिक योग्यता का कोई प्रभाव नहीं पड़ता।

Ho 1.6 उपपरिकल्पना–

पाँच वर्ष व उससे अधिक शिक्षण अनुभव वाले शिक्षकों की शिक्षण क्षमता में कोई सार्थक अंतर नहीं होगा।

तालिका क्रमांक–4.9

पाँच वर्ष व उससे अधिक शिक्षण अनुभव वाले शिक्षकों की शिक्षण क्षमता के मध्यमानों की तुलना।

शैक्षिक अनुभव	संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	मुक्तांश df	टी मान
पाँच वर्ष से अधिक	35	25.914	3.508	58	** 1.135
पाँच वर्ष से कम	25	24.881	3.290		

* *टी का मान 0.05 लेवल ऑफ कॉन्फीडेंस पर सार्थक नहीं पाया गया।

तालिका क्र. 4.9 में प्रस्तुत आँकड़ों से स्पष्ट होता है।

पाँच वर्ष व उससे अधिक शिक्षण अनुभव के आधार पर उनकी शिक्षण क्षमता की तुलना करने के लिये टी का मान 1.135 है। जो df 58 पर 0.05 स्तर पर टी का मान 2.00 है। जो वास्तविक टी के मान से अधिक है। अतः परिकल्पना स्वीकृत की जाती है। शिक्षकों में शैक्षिक अनुभव के आधार पर शिक्षण क्षमता में कोई सार्थक अंतर नहीं है। इससे स्पष्ट होता है कि शिक्षकों में शैक्षिक अनुभव का कोई प्रभाव नहीं पड़ता।

Ho 1.7 उपपरिकल्पना–

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में शिक्षित शिक्षकों के व्यवहारिक क्षमता में कोई सार्थक अंतर नहीं होगा।

तालिका क्रमांक–4.10

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में शिक्षित शिक्षकों के व्यवहारिक क्षमता के मध्यमानों की तुलना।

प्रारंभिक शिक्षा का क्षेत्र	संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	मुक्तांश df	टी मान
ग्रामीण	30	24.460	3.897	58	** 0.840
शहरी	30	25.400	4.530		

* *टी का मान 0.05 लेवल ऑफ कॉन्फीडेंस पर सार्थक नहीं पाया गया।

तालिका क्र. 4.10 में प्रस्तुत आँकड़ों से स्पष्ट होता है।

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के आधार पर उनकी व्यवहारिक क्षमता की तुलना करने के लिये टी का मान 0.840 है। जो df 58 पर 0.05 स्तर पर टी का मान 2.00 है। जो वास्तविक टी के मान से अधिक है। अतः परिकल्पना स्वीकृत की जाती है। शिक्षा के क्षेत्र के आधार पर व्यवहारिक क्षमता में कोई सार्थक अंतर नहीं है। इससे स्पष्ट होता है कि शिक्षकों में शिक्षा के क्षेत्र का कोई प्रभाव नहीं पड़ता।

Ho 1.8 उपपरिकल्पना–

शैक्षिक प्रशिक्षण सहित एवं शैक्षिक प्रशिक्षण रहित शैक्षिक योग्यता वाले शिक्षकों की व्यवहारिक क्षमता में कोई सार्थक अंतर नहीं होगा।

तालिका क्रमांक–4.11

शैक्षिक प्रशिक्षण सहित एवं शैक्षिक प्रशिक्षण रहित शैक्षिक योग्यता वाले शिक्षकों की व्यवहारिक क्षमता के मध्यमानों की तुलना।

शैक्षिक योग्यता	संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	मुक्तांश df	टी मान
शैक्षिक प्रशिक्षण सहित	41	24.682	4.397	58	** 0.661
शैक्षिक प्रशिक्षण रहित	19	25.473	3.871		

* *टी का मान 0.05 लेवल ऑफ कॉन्फीडेंस पर सार्थक नहीं पाया गया।

तालिका क्र. 4.11 में प्रस्तुत आँकड़ों से स्पष्ट होता है।

शैक्षिक प्रशिक्षण सहित एवं शैक्षिक प्रशिक्षण रहित योग्यता के आधार पर उनकी व्यवहारिक क्षमता की तुलना करने के लिये टी का मान 0.661 है। जो df 58 पर 0.05 स्तर पर टी का मान 2.00 है। जो वास्तविक टी के मान से अधिक है। अतः परिकल्पना स्वीकृत की जाती है। शिक्षा की योग्यता के आधार पर व्यवहारिक क्षमता में कोई सार्थक अंतर नहीं है। इससे स्पष्ट होता है कि शिक्षकों में शिक्षकों में शैक्षिक योग्यता का कोई प्रभाव नहीं पड़ता।

Ho 1.9 उपपरिकल्पना–

पाँच वर्ष व पाँच वर्ष से अधिक शिक्षण अनुभव वाले शिक्षकों की व्यवहारिक क्षमता में कोई सार्थक अंतर नहीं होगा।

तालिका कमांक–4.12

पाँच वर्ष व उससे अधिक शिक्षण अनुभव वाले शिक्षकों की व्यवहारिक क्षमता के मध्यमानों की तुलना

शैक्षिक अनुभव	संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	मुक्तांश df	टी मान
पाँच वर्ष से अधिक	35	24.628	4.276	58	** 0.507
पाँच वर्ष	25	25.200	4.156		

* *टी का मान 0.05 लेवल ऑफ कॉन्फीडेंस पर सार्थक नहीं पाया गया।

तालिका क. 4.12 में प्रस्तुत ऑकड़ों से स्पष्ट होता है।

पाँच वर्ष व उससे अधिक शिक्षण अनुभव के आधार पर उनकी व्यवहारिक क्षमता की तुलना करने के लिये टी का मान 0.507 है। जो df 58 पर 0.05 स्तर पर टी का मान 2.00 है। जो वास्तविक टी के मान से अधिक है। अतः परिकल्पना स्वीकृत की जाती है। शैक्षिक अनुभव के आधार पर व्यवहारिक क्षमता में कोई सार्थक अंतर नहीं है। इससे स्पष्ट होता है कि शिक्षकों में शिक्षकों में शैक्षिक अनुभव का कोई प्रभाव नहीं पड़ता।

Ho 1.10 उपपरिकल्पना–

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में शिक्षित शिक्षकों के शिक्षण कौशल में कोई सार्थक अंतर नहीं होगा।

तालिका क्रमांक-4.13

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में शिक्षित शिक्षकों के शिक्षण कौशल क्षमता के मध्यमानों की तुलना।

प्रारंभिक शिक्षा का क्षेत्र	संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	मुक्तांश df	टी मान	सार्थकता
ग्रामीण	30	23.6	3.312	58	0.117	**
शहरी	30	23.7	3.163			

* *टी का मान 0.05 लेवल ऑफ कॉन्फीडेंस पर सार्थक नहीं पाया गया।

तालिका क्र. 4.13 में प्रस्तुत आँकड़ों से स्पष्ट होता है।

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र से शिक्षा प्राप्त के आधार पर उनकी शिक्षणं कौशल की तुलना करने के लिये टी का मान 0.117 है। जो df 58 पर 0.05 स्तर पर टी का मान 2.00 है। जो वास्तविक टी के मान से अधिक है। अतः परिकल्पना स्वीकृत की जाती है। शिक्षा का क्षेत्र के आधार पर शिक्षण कौशल में कोई सार्थक अंतर नहीं है। इससे स्पष्ट होता है कि शिक्षकों में शिक्षकों में शिक्षा का क्षेत्र का कोई प्रभाव नहीं पड़ता।

Ho 1.11 उपपरिकल्पना-

शैक्षिक प्रशिक्षण सहित एवं शैक्षिक प्रशिक्षण रहित योग्यता वाले शिक्षकों के शिक्षण कौशल में कोई सार्थक अंतर नहीं होगा।

तालिका क्रमांक–4.14

शैक्षिक प्रशिक्षण सहित एवं शैक्षिक प्रशिक्षण रहित योग्यता वाले शिक्षकों के शिक्षण कौशल क्षमता के मध्यमानों की तुलना।

शैक्षिक योग्यता	संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	मुक्तांश df	टी मान
शैक्षिक प्रशिक्षण सहित	41	23.487	3.335	58	** 0.561
शैक्षिक प्रशिक्षण रहित	19	24.00	2.99		

* *टी का मान 0.05 लेवल ऑफ कॉन्फीडेंस पर सार्थक नहीं पाया गया।

तालिका क्र. 4.14 में प्रस्तुत आँकड़ों से स्पष्ट होता है।

शैक्षिक प्रशिक्षण सहित एवं शैक्षिक प्रशिक्षण रहित योग्यता के आधार पर उनकी शिक्षण कौशल की तुलना करने के लिये टी का मान 0.561 है। जो df 58 पर 0.05 स्तर पर टी का मान 2.00 है। जो वास्तविक टी के मान से अधिक है। अतः परिकल्पना स्वीकृत की जाती है। शैक्षिक योग्यता के आधार पर शिक्षण कौशल में कोई सार्थक अंतर नहीं है। इससे स्पष्ट होता है कि शिक्षकों में शिक्षकों में शैक्षिक योग्यता का कोई प्रभाव नहीं पड़ता।

Ho 1.12 उपपरिकल्पना–

Regional Institute of Education, Bhopal Library पुस्तकालय

पाँच वर्ष व उससे अधिक शिक्षण अनुभव वाले शिक्षकों की शिक्षण कौशल में कोई सार्थक अंतर नहीं होगा।

तालिका क्रमांक–4.15

पाँच वर्ष व उससे अधिक शिक्षण अनुभव वाले शिक्षकों की व्यवहारिक क्षमता के मध्यमानों की तुलना।

शैक्षिक अनुभव	संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	मुक्तांश df	टी मान
पाँच वर्ष से अधिक	35	23.514	3.512	58	** 0.508
पाँच वर्ष	25	23.958	2.791		

* *टी का मान 0.05 लेवल ऑफ कॉन्फीडेंस पर सार्थक नहीं पाया गया।

तालिका क्र. 4.15 में प्रस्तुत आँकड़ों से स्पष्ट होता है।

पाँच वर्ष व उससे अधिक शिक्षण अनुभव के आधार पर उनकी शिक्षण कौशल की तुलना करने के लिये टी का मान 0.508 है। जो df 58 पर 0. 05 स्तर पर टी का मान 2.00 है। जो वास्तविक टी के मान से अधिक है। अतः परिकल्पना स्वीकृत की जाती है। शैक्षिक अनुभव के आधार पर शिक्षण कौशल में कोई सार्थक अंतर नहीं है। इससे स्पष्ट होता है कि शिक्षकों में शिक्षकों में शैक्षिक अनुभव का कोई प्रभाव नहीं पड़ता।

Ho 1.13 उपपरिकल्पना–

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में शिक्षित शिक्षकों की समस्या समाधान योग्यता में कोई सार्थक अंतर नहीं होगा।

तालिका क्रमांक–4.16

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में शिक्षित शिक्षकों के शिक्षण कौशल क्षमता के मध्यमानों की तुलना।

प्रारंभिक शिक्षा का क्षेत्र	संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	मुक्तांश df	टी मान
ग्रामीण	30	26.500	4.047	58	** 0.349
शहरी	30	26.130	3.940		

* *टी का मान 0.05 लेवल ऑफ़ कॉन्फीडेंस पर सार्थक नहीं पाया गया।

तालिका क्र. 4.16 में प्रस्तुत आँकड़ों से स्पष्ट होता है।

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र से शिक्षा प्राप्त के आधार पर उनकी समस्या समाधान की तुलना करने के लिये टी का मान 0.117 है। जो df 58 पर 0.05 स्तर पर टी का मान 2.00 है। जो वास्तविक टी के मान से अधिक है। अतः परिकल्पना स्वीकृत की जाती है। शिक्षा का क्षेत्र के आधार पर **समस्या समाधान** में कोई सार्थक अंतर नहीं है। इससे स्पष्ट होता है कि शिक्षकों में समस्या समाधान का शिक्षा पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता।

Ho 1.14 उपपरिकल्पना–

शैक्षिक प्रशिक्षण सहित एवं शैक्षिक प्रशिक्षण रहित शैक्षिक योग्यता वाले शिक्षकों की समस्या समाधान योग्यता में कोई सार्थक अंतर नहीं होगा।

तालिका क्रमांक-4.17

शैक्षिक प्रशिक्षण सहित एवं शैक्षिक प्रशिक्षण रहित योग्यता वाले शिक्षकों के शिक्षण कौशल क्षमता के मध्यमानों की तुलना।

शैक्षिक योग्यता	संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	मुक्तांश df	टी मान
शैक्षिक प्रशिक्षण सहित	41	26.097	3.992	58	** 0.570
शैक्षिक प्रशिक्षण रहित	19	26.736	3.918		

* *टी का मान 0.05 लेवल ऑफ कॉन्फीडेंस पर सार्थक नहीं पाया गया।

तालिका क्र. 4.17 में प्रस्तुत आँकड़ों से स्पष्ट होता है।

शैक्षिक प्रशिक्षण सहित एवं शैक्षिक प्रशिक्षण रहित योग्यता के आधार पर उनकी समस्या समाधान की तुलना करने के लिये टी का मान 0.561 है। जो df 58 पर 0.05 स्तर पर टी का मान 2.00 है। जो वास्तविक टी के मान से अधिक है। अतः परिकल्पना स्वीकृत की जाती है। शैक्षिक योग्यता के आधार पर समस्या समाधान में कोई सार्थक अंतर नहीं है। इससे स्पष्ट होता है कि शिक्षकों में समस्या समाधान का शैक्षिक योग्यता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता।

Ho 1.15 उपपरिकल्पना-

पाँच वर्ष व पाँच वर्ष से अधिक शिक्षण अनुभव वाले शिक्षकों की समस्या समाधान योग्यता में कोई सार्थक अंतर नहीं होगा।

तालिका क्रमांक–4.18

पाँच वर्ष व पाँच वर्ष से अधिक शिक्षण अनुभव वाले शिक्षकों की व्यवहारिक क्षमता के मध्यमानों की तुलना।

शैक्षिक अनुभव	संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	मुक्तांश df	टी मान
पाँच वर्ष से अधिक	35	25.657	4.153	58	** 1.514
पाँच वर्ष	25	27.240	3.580		

* *टी का मान 0.05 लेवल ऑफ कॉन्फीडेंस पर सार्थक नहीं पाया गया।

तालिका क्र. 4.18 में प्रस्तुत आँकड़ों से स्पष्ट होता है।

. पाँच वर्ष व पाँच वर्ष से अधिक शिक्षण अनुभव के आधार पर उनकी समस्या समाधान की तुलना करने के लिये टी का मान 1.514 है। जो df 58 पर 0.05 स्तर पर टी का मान 2.00 है। जो वास्तविक टी के मान से अधिक है। अतः परिकल्पना स्वीकृत की जाती है। शैक्षिक अनुभव के आधार पर समस्या समाधान में कोई सार्थक अंतर नहीं है। इससे स्पष्ट होता है कि शिक्षकों में समस्या समाधान का शैक्षिक अनुभव पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता।

4.3 परिणामों की विवेचना

- प्रस्तुत शोध में अलग–अलग परिवेश, विविध कार्य, अनुभव तथा शिक्षण प्रशिक्षण सहित तथा प्रशिक्षण रहित पृष्ठभूमि वाले शिक्षकों के शैक्षिक मूल्यों के अध्ययन का प्रयास किया गया था। इसके अंतर्गत प्राप्त परिणाम "ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में शिक्षा प्राप्त शिक्षकों के शैक्षिक मूल्यों में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया।" उक्त परिणाम पूर्व में किये गये शोध **श्रीवास्तव** (1990) ने शैक्षिक मूल्यों के द्वारा शिक्षकों को रूचि और कार्य संतुष्टि में बदलाव का अध्ययन किया। **काकुर** (1981) ने शिक्षकों के मूल्य का छात्रों पर असर का अध्ययन किया। **राघवेन्द्र** (1964) ने सामाजिक रूप से वंचित व अवंचित छात्रों में मूल्य प्राथमिकता का तुलनात्मक अध्ययन किया, से मेल खाते हैं इसका प्रमुख कारण संभवतः शिक्षकों के शैक्षिक मूल्यों के विकास की प्रक्रिया है। ऐसा माना जाता है कि मूल्यों के विकास में व्यक्ति की योग्यता एवं अनुभव महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। चूँकि शिक्षकों की उच्च प्रारंभिक शिक्षा का परिवेश ग्रामीण तथा शहरी था, परन्तु इस स्तर की शिक्षा को पूर्ण करने तक विद्यार्थियों की आयु 12 वर्ष से 14 वर्ष के बीच होती है और इस आयु तक मूल्यों का विकास होना दुविधापूर्ण है।

  उपरोक्त चर्चा से स्पष्ट होता है कि शैक्षिक मूल्य ग्रामीण/शहरी, शैक्षिक अनुभव व योग्यता के आधार पर उनके शैक्षिक मूल्यों में कोई सार्थक अंतर नहीं होता है।

- शोध में प्राप्त परिणाम शैक्षिक मूल्य में ग्रामीण/शहरी शैक्षिक प्रशिक्षण सहित/रहित शिक्षक की परिपक्वता कक्षा 12वीं पास करने पर आती है तथा शिक्षक की सोच बदलती है व अनुभव के आधार पर सही/गलत की पहचान हो जाती है तथा उसके मूल्य के विकास की प्रक्रिया शुरू हो जाती है। साथ ही व्यवसायिक प्रशिक्षण के द्वारा शिक्षकों के शिक्षण के मूल्य पुष्ट हो जाते है।